राजस्थान सरकार
आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर
Block-4, RKS Sankul, JLN Road, Jaipur-302015, Rajasthan
Website: http://hte.rajasthan.gov.in/dept/dce/
e-mail: jdacad1960@gmail.com Ph.: 0141-2706550

क्रमांकःएफ 8(सेमिनार) अकादमिक अव./अकाद/आकाशि/2023–00709/पार्ट–02/

Registrar,
Institute of Advanced Studies in Education
'Deemed to be Universtiy'
Sardarshahr, Churu

विषयः–दिनांक 21.12.2024 से 22.12.2024 तक आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में राजकीय महाविद्यालयों से भाग लेने वाले आचार्य/सह/सहायक आचार्यो/व्याख्याताओं के अकादमिक अवकाश स्वीकृत करने के सम्बन्ध में।

संदर्भः– आपका पत्र दिनांक 10.12.2024 (प्रति संलग्न)।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के क्रम में लेख है कि आप द्वारा दिनांक 21.12.2024 से 22.12.2024 तक आयोजित ***"Exploring the Indian Knowledge System: Ancient Wisdom and Modern Relevance"*** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के इच्छुक संकाय सदस्य आपके आमंत्रण पत्र प्राप्त होने पर भाग ले सकते है।

उक्त संगोष्ठी में भाग लेने वाले राजकीय महाविद्यालयों के आचार्य/सह/सहायक आचार्यो/व्याख्याताओं के निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करने पर सम्बन्धित प्राचार्य द्वारा उन्हें नियमानुसार अकादमिक अवकाश स्वीकृत कर दिया जायेगा।

यह सक्षम स्तर से अनुमोदित है।

संलग्नः– उपरोक्तानुसार

(प्रो. विजय सिंह जाट)
संयुक्त निदेशक, अकादमिक

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ प्रेषित है :–

1. निजी सचिव, आयुक्त, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव, अतिरिक्त आयुक्त, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर
3. प्राचार्य, समस्त राजकीय महाविद्यालय, राजस्थान।
4. वेबसाईट प्रभारी, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर को अपलोड करने हेतु।
5. रक्षित पत्रावली।

(प्रो. विजय सिंह जाट)
संयुक्त निदेशक, अकादमिक

Signature valid
Digitally signed by Vijay Singh Jat
Designation : Joint Director
Date: 2024.12.12 19:19:41 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.: 12400887

IASE (deemed to be university)

Faculty of Arts & Social Sciences
Institute of Advanced Studies in Education
(Deemed to be University)

Gandhi Vidya Mandir, Sardarshahr – 331403 Distt. Churu (Rajasthan)
e.mail. :fhss@iaseuniversity.org.in , URL : iaseuniversity.org.in, Mob. No. 6377915040

दिनांक: 10 दिसंबर 2024

श्रीमान संयुक्त निदेशक (अकादमिक)
आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा
राजस्थान, जयपुर।

विषय :- विश्वविद्यालय में दिनांक 21-22 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने प्रतिभागियों के अकादमिक अवकाश प्रदान करने हेतु।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि IASE (Deemed to be University), सरदारशहर, चूरू द्वारा दिनांक **21-22 दिसंबर, 2024** को **"Exploring the Indian Knowledge System: Ancient Wisdom and Modern Relevance"** विषय पर दो दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

यह संगोष्ठी भारतीय ज्ञान प्रणाली के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक संदर्भ पर चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, जिसमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है।

अतः आपसे सादर निवेदन है कि इस संगोष्ठी में भाग लेने वाले महाविद्यालयों के शिक्षकों और प्रतिभागियों के लिए दिनांक **21 दिसंबर, 2024 (शनिवार)** को अकादमिक अवकाश प्रदान करने हेतु आवश्यक स्वीकृति जारी करने की कृपा करें।

साभार,

संलग्नक: संगोष्ठी विवरणिका (Seminar Brochure)

Dr. Dharmendra Singh
Convener
Associate Professor
Department of Geography, IASE(DU)

Registrar
IASE (DU) Sardarshahr
Churu, Rajasthan-331403

REGISTRAR
Institute of Advanced Studies In Education
'Deemed To Be University'
Sardarshahr (Churu) Raj.-331403

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:

1. श्रीमान आयुक्त महोदय, आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
2. श्रीमान संयुक्त निदेशक (HRD), आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
3. रक्षित पत्रावली।

IASE
(deemed to be university)

दो दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

"भारतीय ज्ञान प्रणाली की खोज: प्राचीन ज्ञान और आधुनिक परिप्रेक्ष्य"

21 और 22 दिसंबर, 2024
(हाइब्रिड मोड)

आयोजक
संस्कृत एवं भूगोल विभाग
आईएएसई (डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)सरदारशहर, राजस्थान

चयनित पेपर युजीसी केयर लिस्टेड जर्नल में प्रकाशित किए जाएंगे

मुख्य संरक्षक
श्री कनक मल दुगड़
माननीय चांसलर
आईएएसई (डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)
सरदारशहर, राजस्थान

संरक्षक
प्रो. बी. एल. शर्मा
माननीय कुलपति
आईएएसई (डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)
सरदारशहर, राजस्थान

मुख्य अतिथि

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
माननीय कुलपति
केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

मुख्य वक्ता

प्रो. विनोद शास्त्री
माननीय पूर्व कुलपति
जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान
संस्कृत विश्वविद्यालय, राजस्थान

राजेंद्र पि केरकर
प्रमुख पर्यावरणविद
सदस्य, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड
भारत सरकार

वक्ता

प्रो. ओपी जांगिड़
प्रोफेसर एमेरिटस
आईएएसई (डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)
सरदारशहर, राजस्थान

प्रो. स्निग्धा दास राय
प्रोफेसर
असम विश्वविद्यालय, सिलचर
असम

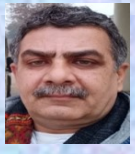

प्रो. सुधीर मलिक
प्रोफेसर
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
रोहतक, हरियाणा

प्रो. एम.एम शेख
प्रोफेसर
राजकीय लोहिया कॉलेज
चुरू, राजस्थान

प्रो काकली घोष
प्रोफेसर
जादवपुर विश्वविद्यालय,
कोलकाता, पश्चिम बंगाल

प्रो अनिल प्रताप गिरि
प्रोफेसर
इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

डॉ. गोविंद शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर
असम विश्वविद्यालय
सिलचर, असम

डॉ. बुद्धदेव भट्टाचार्
एसोसिएट प्रोफेसर
नव नालंदा महाविहार विश्वविद्यालय
नालंदा, बिहार

आमंत्रण:

यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष और सम्मान का विषय है कि हम आपको 21 और 22 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाले दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए आमंत्रित कर रहे हैं, जो कि IASE (डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), सरदारशहर में आयोजित होगा। यह प्रतिष्ठित संगोष्ठी "भारतीय ज्ञान प्रणाली की खोज: प्राचीन ज्ञान और आधुनिक परिप्रेक्ष्य" के गहन विषय पर विचार करने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करेगी। हम आपकी उपस्थिति का हार्दिक स्वागत करते हैं और आपसे आग्रह करते हैं कि आप निर्धारित विषयों और उपविषयों के अनुसार तकनीकी सत्रों में शोध पत्र प्रस्तुत करें। यह एक अमूल्य अवसर है, जिसमें आप देशभर के प्रमुख शिक्षाविद्, प्रतिष्ठित विद्वानों, विषय विशेषज्ञ और वक्ताओं के साथ गहन परिचर्चा कर सकते हैं। आपकी उपस्थिति हमारे लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी और इस संगोष्ठी को सफल बनाने में आप सभी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे ।

विश्वविद्यालय के बारे में:

आईएएसई(डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), सरदारशहर को 25 जून 2002 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) अधिनियम-1956 की धारा 3 के तहत 'डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटि' की मान्यता प्राप्त हुई। इसे अधिसूचना F.9-29/2000-U.3 के माध्यम से मान्यता प्राप्त है, और इसके पश्चात UGC द्वारा अधिसूचना F.6-25/2001 (CPP-I) के अन्तर्गत 17 जुलाई 2002 को इसे अपनाया गया। इस मानित विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य शिक्षा से वंचित, गरीब और पिछडे वर्गों की सेवा के लिए की गई है जो राजस्थान के ग्रामीण और रेगिस्तानी क्षेत्रों में निवास करते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, विश्वविद्यालय आर्थिक संसाधनो की परवाह किए बिना अपनी जिम्मेदारियों का भरपुर निर्वहन कर रहा है। यह मानित विश्वविद्यालय 'गांधी विद्या मंदिर' फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो स्वतंत्रता के बाद से उच्च शिक्षा सहित शिक्षा के क्षेत्र में इन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए कार्यरत है। आईएएसई(डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के पास शिक्षा और समाज की सेवा के लिए विशाल बुनियादी ढाँचा और 1190 एकड़ का परिसर उपलब्ध है, परिसर प्राकृतिक सौन्दर्य से सुसज्जित हैं, जिसमे विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे एवं वनस्पति विद्यमान है । यह विश्वविद्यालय विभिन्न क्षेत्रों जैसे कला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और शिक्षा में स्नातक से लेकर पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों के लिए रियायती दरों पर आवासीय सुविधाएँ भी प्रदान करती है । यहां छात्रावास, खेल कूद अकादमी, खेल मैदान, छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, व्यक्तित्व विकास कोर्स, छात्रों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं (एलोपेथीक और आयुर्वेदिक अस्पतालों के रूप में), खेल और फिजियोथेरेपी केंद्र, पंचकर्म, कैंटीन आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

संगोष्ठी के बारे में:

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) ज्ञान का एक शाश्वत स्रोत है, जो ज्ञान एवं परंपराओं का एक संगम है, जिसने सहस्राब्दियों के दौरान मानव जिज्ञासा और आध्यात्मिक चिंतन के मार्गों को प्रशस्त किया है। आईकेएस में भारतीय कला, भाषा, साहित्य, नीति, कानून, शासन और प्रौद्योगिकी जैसे आयामों में गहन अंतर्दृष्टि शामिल है, जो भविष्य की खोज के लिए उपयुक्त है, जहां अभी भी महत्वपूर्ण शोध की आवश्यकता है। इस ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना एक अनिवार्यता और चुनौती दोनों बनी हुई है। इसे ध्यान में रखते हुए, आईएएसई डीम्ड यूनिवर्सिटी "भारतीय ज्ञान प्रणाली की खोज: प्राचीन ज्ञान और आधुनिक प्रासंगिकता" शीर्षक पर दो दिवसीय बहुविषय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रही है। इस संगोष्ठी भारतीय ज्ञान प्रणाली पर प्रकाश डालना चाहता है, जो ज्ञान का एक कालातीत भंडार है जिसने सदियों से मानव विचार और आध्यात्मिक अन्वेषण का मार्गदर्शन किया है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य प्राचीन और आधुनिक के मध्य एक सेतु का निर्माण करना है, ताकि यह प्रदर्शित किया जा सके कि किस प्रकार प्राचीन ज्ञान आज के जीवन और विचारधाराओं को आलोकित कर सकता है। शिक्षाविदों, साहित्य के प्रति उत्साही जनों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों को यह अवगत कराने का प्रयास किया जाएगा कि ये शाश्वत विचार कैसे समकालीन चुनौतियों को परखने में सहायक हो सकते हैं और नवीन समाधानों को प्रेरित कर सकते हैं।

विषय/उप विषय

प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली:
•गुरुकुल परंपरा और शैक्षिक सिद्धांत
•प्राचीन विश्वविद्यालयों में नवाचार और ज्ञान का प्रसार
•आधुनिक शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) का एकीकरण
•वैश्विक शिक्षा और प्रबंधन में भारतीय ज्ञान प्रणाली का योगदान

पर्यावरणीय ज्ञान और स्थिरता:
•पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और इसकी प्रासंगिकता
•भारतीय ज्ञान प्रणाली द्वारा पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान
•पर्यावरण विज्ञान में भारतीय ज्ञान

भौगोलिक और कृषि ज्ञान:
•प्राचीन ग्रंथों में भौगोलिक स्वरुप
•सांस्कृतिक भूगोल और सांस्कृतिक स्थल
•भारतीय नदियाँ: सभ्यता और संस्कृति का विकास
•वैश्विक मानचित्र निर्माण पर भारतीय भूगोल का प्रभाव
•प्राचीन भारत में कृषि और मौसम विज्ञान
•सतत विकास में भारतीय ज्ञान प्रणाली का योगदान

प्राकृतिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान प्रणाली:
•खगोलशास्त्र और ब्रह्मांड विज्ञान
•वैदिक यज्ञ एवं गणितीय सिद्धांतों
•भौतिकी विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली
•प्रकाश और ध्वनि के स्वरूप पर प्राचीन भारतीय दृष्टिकोण
•रसायन विज्ञान और पारंपरिक ज्ञान।
•प्राचीन औषधि विज्ञान
•पशु विज्ञान और पारिस्थितिकी का पारंपरिक ज्ञान।

वास्तुकला और शहरी नियोजन:
•वास्तु शास्त्र: प्राचीन वास्तुकला और शहरी डिज़ाइन
•प्राचीन वास्तुकला और अभियांत्रिकी
•भारतीय ज्ञान प्रणाली में आधुनिक शहरी विकास के सिद्धांत

दर्शन और आध्यात्मिक परंपराएँ:
•आधुनिक संदर्भ में भारतीय दार्शनिक परंपराएँ
•स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता

भारतीय ज्ञान प्रणाली में नैतिकता और विधि:
•प्राचीन ग्रन्थ मे न्याय नीति और इसकी समकालीन प्रासंगिकता
•नीति निर्माण में भगवद्गीता का वैश्विक महत्व
•भारतीय ज्ञान प्रणाली और शासन व्यवस्था
•नीतिशास्त्र में आर्थिक न्याय और सामाजिक कल्याण
•नैतिक नेतृत्व: शासकों के लिए नीति शास्त्र के दिशानिर्देश

स्वास्थ्य और कल्याण:
•आयुर्वेद एक समग्र विज्ञान के रूप में
•आधुनिक भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली और शिक्षा में आयुर्वेद
•संपूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण में योग की भूमिका

भाषा और साहित्य :
•भारतीय भाषाशास्त्र की प्रामाणिकता और आधुनिक प्रासंगिकता
•संस्कृत: एक वैज्ञानिक भाषा
•वैश्विक साहित्य पर भारतीय साहित्य का प्रभाव

सौंदर्यशास्त्र और भारतीय कला:
•भारतीय संगीत, वाद्य और नृत्य कलाओं में सौंदर्यशास्त्र
•आधुनिक विश्व और भारतीय कलाशास्त्र
•समकालीन कला प्रथाओं में पारंपरिक भारतीय सौंदर्यशास्त्र।

धर्म और दर्शन :
•भारतीय ज्ञान प्रणाली में नैतिकता और धर्म पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण
•भारतीय दर्शन और इसकी समकालीन प्रासंगिकता

भारतीय ज्ञान प्रणाली और प्रौद्योगिकी:
•कंप्यूटर विज्ञान में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण
•विमान शास्त्र और भारतीय ज्ञान प्रणाली
•प्राचीन भारतीय विज्ञान की समकालीन वैज्ञानिक प्रासंगिकता

अन्य: उपरोक्त उपविषयों के अतिरिक्त संस्कृत, भूगोल एवं भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित सभी शोध पत्र स्वीकृत है।

शोध सार /सम्पूर्ण पत्र प्रस्तुत करने के लिए दिशा-निर्देश
•शोध पत्र मौलिक होना चाहिए और प्रस्तुत शोधपत्र अन्यत्र कहीं प्रकाशित नहीं होना चाहिए।
•शोध सार 250 शब्दों से ज्यादा नहीं होना चाहिए।
•सम्पूर्ण शोध पत्र 4000 शब्दों से ज्यादा नहीं होना चाहिए, जिसमें पाँच बीज शब्द(keywords) से अधिक नहीं होना चाहिए।
•संक्षेप और पूर्ण पत्र संस्कृत/हिंदी में (Arial Unicode फॉन्ट 12, 1.5 पंक्ति अंतर के साथ) और अंग्रेज़ी में (Times New Roman फॉन्ट 12, 1.5 पंक्ति अंतर के साथ) टाइप किए जाने चाहिए।
•फुटनोट्स: फॉन्ट आकार 10, 1.0 की दूरी के साथ।
•सन्दर्भसूचि: MLA शैली में नवीनतम संस्करण के अनुसार होना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियाँ
• पंजीकरण की अंतिम तिथि: **05 दिसंबर 2024**
• शोध सार स्वीकृति की अंतिम तिथि: **10 दिसंबर 2024**
• प्रेजेंटेशन से पूर्व आपको अपना संपूर्ण शोध-पत्र अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

ऑन-स्पॉट पंजीकरण सुविधा केवल स्थानीय शोधार्थि के लिए उपलब्ध है।

पंजीकरण लिंक: https://forms.gle/FRmWcWg3qurkQjj79

व्हाट्सएप समूह में शामिल हों: https://chat.whatsapp.com/Km0KmU1joXG68C8aCH1MSD

पंजीकरण शुल्क (इसमें प्रमाण पत्र डाक द्वारा भेजने के शुल्क शामिल हैं।)
शोधार्थी: **₹500.00**
शिक्षाविद: **₹700.00**

ऑनलाइन भुगतान के लिए बैंक खाता विवरण
Name of Bank: Punjab National Bank
Ranch Name: Sardar Shahra Gandhi Vidya Mandir Branch
Name of Account: IASE Deemed To Be University GVM
IFSC Code: PUNB0117810
A/C Number: 11781091000013
Branch Code: 117810

चयनित पेपर यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल में प्रकाशित किए जाएंगे

संयोजक

डॉ. धर्मेंद्र सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर
भूगोल विभाग

डॉ. मिलन बर्मन
असिस्टेंट प्रोफेस
संस्कृत विभाग

सह-संयोजक

डॉ. पुष्पा (असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणीशास्त्र विभाग)
डॉ. सुस्मिता पुरकायस्थ (असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग)

प्रबंध समिति

डॉ. कैलाश पारीक
अधिष्ठाता
कला एवं सामाजिक विज्ञान

डॉ. पूराराम मेघवाल
अधिष्ठाता
संकाय शिक्षा संकाय

सलाहकार समिति

प्रो. पुष्पा डी. मोटियानी (आईएएसई, चूरू, राजस्थान)
प्रो. ओ. पी. जांगिड़ (आईएएसई, चूरू, राजस्थान)
प्रो. वी. के. स्वामी (आईएएसई, चूरू, राजस्थान)
प्रो. शिवम चतुर्वेदी (आईएएसई, चूरू, राजस्थान)
प्रो. शांति पोखरेल (असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम)
प्रो. एस. एस. खींची (एमजीएसयू, बीकानेर, राजस्थान)
प्रो. नबनारायण बंद्योपाध्याय, (रवींद्र भारती विश्ववि., कोलकाता)
प्रो. याद राम मीणा (जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर)
प्रो. शिप्रा राय (त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
प्रो. कृष्ण शर्मा (केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, राजस्थान)
प्रो. राजेश कुमार (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान)
डॉ. कमल लोचन आत्रेय (केवीवीएसएएसयू, नलबारी, असम)
डॉ. विदुषी आमटा (कामेश्वरसिंह-दरभंगा संस्कृत विश्ववि., बिहार)
डॉ. सरिता (राजकीय महाविद्यालय, तारानगर, राजस्थान)

आयोजन समिति सदस्य

डॉ. उमा सैनी
डॉ. अल्पना शर्मा
डॉ. राजपाल यादव
डॉ. महेश कुमार शर्मा
डॉ. वेद प्रकाश सिंह
डॉ. निर्मल कुमार जोशी
श्री जितेंद्र सैनी
श्री राजेश कुमार
श्री राजेंद्र प्रसाद प्रजापत
श्री रजत कुमार

डॉ. प्रवीण शर्मा
डॉ. विकास सैनी
डॉ. कुलराज व्यास
डॉ. रामावतार गोदारा
डॉ. चंद्रकला स्वामी
श्री सुरेंद्र कुमार पारीक
श्री भगीरथ माल रैगर
श्री लक्ष्मीनारायण
श्री कपिल पारीक
श्री चंद्रशेखर भारती

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

डॉ. धर्मेंद्र सिंह (9414741567)
डॉ. मिलन बर्मन (6000483919)
डॉ. कैलाश पारीक (9413889171)

संगोष्ठी स्थल
पीडीसी हॉल, आईएएसई (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू-331403 (राजस्थान)